विधान परिषद के द्वितीय सत्र, 2025 के प्रथम गुरूवार हेतु निर्धारित डा0 मान सिंह यादव, मा0 सदस्य, विधान परिषद द्वारा पूछे गये अतारांकित प्रश्न संख्या-23 का उत्तर।

.....

प्रश्न	**उत्तर**
23-(क) क्या उप मुख्य मंत्री (चिकित्सा शिक्षा) बतायेंगे कि जिला प्रतापगढ़ में चल रहे सरकारी चिकित्सालय तथा मेडिकल कालेज में कार्डियक अरेस्ट के कौन-कौन से उपचार किये जाते है तथा कितने उपकरण उपलब्ध हैं ?	जनपद प्रतापगढ़ में स्थापित स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय की स्थापना वर्ष 2021 में हुई है। वर्तमान में एन0एम0सी0 मानकों के अनुसार जिन विभागों की आवश्यकता है, वह चिकित्सा महाविद्यालय में स्थापित/संचालित है। कार्डियक अरेस्ट के मरीजों की ई0सी0जी0, ट्राप-ट्री, ट्राप-आई, सी0के0एम0बी0 आदि प्रारम्भिक जांचे कराये जाने की सुविधा उपलब्ध है। जांच उपरान्त कार्डियक अरेस्ट से संबंधित मरीजों का प्रारम्भिक उपचार (थ्रोम्बोलिसिस) मेडिसिन विभाग में कार्यरत विशेषज्ञ चिकित्सा शिक्षकों/चिकित्सकों द्वारा किया जाता है। वर्तमान समय में कार्डियक अरेस्ट के उपचार हेतु चिकित्सालय के मेडिसिन विभाग में 04 ई0सी0जी0 मशीनें, 06 कार्डियक मानीटर, 01 डिफैब्रीलेटर, 02 वेन्टीलेटर इत्यादि उपकरण उपलब्ध है।
(ख) यदि हॉ, तो कितने हृदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टरों की तैनाती की गयी है तथा अब तक कितने मरीजों का प्रतिदिन उपचार हो रहा है ?	हृदय रोग विशेषज्ञ का पद अति विशिष्टिता विभाग (कार्डियोलॉजी) से संबंधित है। उक्त विभाग की स्थापना चरणबद्ध रूप में की जाती है। स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, प्रतापगढ़ में हृदय रोग विशेषज्ञ का पद सृजित नहीं है। प्रतिदिन 02 से 03 मरीजों का उपचार किया जाता है।
(ग) क्या जनपद में बढ़तें हुए हृदय रोगों के मरीजों के दृष्टिगत समुचित विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती करायेगें ?	उपरोक्तानुसार।
(घ) यदि हां, तो कब तक ?	उपरोक्तानुसार।
(ड़) यदि नहीं, तो क्यों ?	प्रश्न नहीं उठता।

ब्रजेश पाठक
उप मुख्यमंत्री।